हालांकि अब संदर्भ का 58वां अंक आने का समय हो गया है परंतु इसकी 'नियमितता' की परिभाषा इसकी गुणवत्ता के आगे महत्व नहीं रखती। इसकी गुणवत्ता के कारण ही दस वर्ष पूर्व इसे देखते ही मैं इसका नियमित ग्राहक बन गया। इसी संदर्भ की बदौलत मैं कुछ ऐसी बातें जान पाया जो प्रायः इसे न पढ़ने वाले शिक्षक बहुत ही कम जान पाते हैं। जैसे अमावस्या व चंद्रग्रहण में अंतर, पाई का मान 22/7 ही क्यों, ज्वार-भाटा दोनों तरफ क्यों आदि जैसे कई सवालों के जवाब इसी की वजह से मैंने गहराई से समझे हैं।

मैं डी.पी.ई.पी. एवं सर्व शिक्षा अभियान में स्रोत व्यक्ति के रूप में अपनी सेवाएं सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों में देता रहा हूं। अभी हाल ही में स्रोत व्यक्ति के रूप में प्रशिक्षण शिविर में मैंने उपरोक्त कई बिंदुओं पर चर्चा की। इनमें से कई बातें सभी के लिए नई थीं। सभी ने इसकी सराहना की। वहां मैंने उन सबका संदर्भ से परिचय भी करवाया और संदर्भ की कुछ प्रतियां अवलोकन हेतु उपलब्ध करवाईं। प्रायः सभी शिक्षक साथियों को संदर्भ पत्रिका पसंद आई। कुछ साथियों ने पत्रिका की वार्षिक सदस्यता लेने में रुचि भी दिखाई है।

मैंने ऊपर जिस शिविर का ज़िक्र किया है उसका आयोजन तहसील नोहर, ज़िला हनुमानगढ़ (राजस्थान) में किया गया था। इन शिविरों में एक बड़ा ही नया और रोचक प्रश्न उभर कर आया। एक प्रधानाध्यापक महोदय ने गुरुत्वाकर्षण एवं अपकेंद्रीय बल के बारे में बताते हुए कहा कि अगर इस कमरे में किसी हेलीकॉप्टर को हवा में स्थिर कर दिया जाए तो थोड़ी देर बाद वह पृथ्वी की गति (घूर्णन) के कारण दीवार से टकरा जाएगा। इस पर काफी बहस हुई। अधिकांश शिक्षकों को यह बात हज़म नहीं हुई तथा कुछ तटस्थ रहे, किंतु उस प्रधानाध्यापक के तर्क का किसी ने समर्थन नहीं किया।

स्रोत व्यक्ति होते हुए भी मेरे पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं था। हालांकि मुझे मालूम है कि आकाश में 90 डिग्री पर छूटी हुई गोली कुछ पीछे गिरती है, इस लिहाज़ से शायद हैलीकॉप्टर भी टकरा जाएगा। पर इस प्रयोग को करके देखने के लिए हमारे पास ऐसा कोई उपकरण नहीं था जिसे हवा में स्थिर रखकर जांचा जा सके। अब आप ही हमारा पथ-प्रदर्शन करेंगे, इसी भरोसे आपसे उम्मीद लगाए हैं।

रमेश जांगिड़, शिक्षक
भिरानी, हनुमानगढ़, राजस्थान

प्रधानाध्यापक महोदय के कथन को जांचने के बहुत से सरल तरीके हैं, उम्मीद है कि आप ऐसे कुछ प्रयोग सोचकर एवं कर के देखेंगे व उनके बारे में हमें लिखेंगे ताकि औरों को भी जानकारी मिले। प्रयोग करने के साथ-साथ उनके कथन के परिणामों के बारे में विचार करने से भी मदद मिलेगी।

- संपादक मंडल